PACIFIC UNIVERSITY PAHER

-PACIFIC ACADEMY OF HIGHER EDUCATION AND RESEARCH UNIVERSITY, UDAIPUR

SECTION – B

HINDI

Max. Marks – 100

Roll No. (in figures) _____

Roll No. (in words) _____

Signature of the Candidate _____

Signature of Invigilator's 1. _____ 2. _____

नोट :

1. सभी प्रश्न हल कीजिए
2. प्रत्येक प्रश्न के सही उत्तर के लिए 02 अंक निर्धारित है। नकारात्मक अंकन नही होगा।
3. निर्दिष्ट चार विकल्पों में से सही विकल्प दायी ओर निर्धारित कोष्टक में काले या नीले बाल पैन से अंकित किजिए।

1. अपभ्रंश को 'आम्भीरों की भाषा' बताने वाले आचार्य थे –
   (अ) पाणिनी (ब) पतंजलि
   (स) दण्डी (द) भामह [ ]

2. पाहुड़ दोहा के रचयिता थे–
   (अ) रामसिंह (ब) धनपाल
   (स) सरहपा (द) पुष्पदंत [ ]

3. खड़ी बोली के विकास की पहली कड़ी है–
   (अ) राउलवेल की टक्की (ब) गोरखबानी
   (स) खुसरो की हिन्दी (द) जोइन्दु क्रीड़ा [ ]

4. ऐतिहासिक दृष्टि से देव नागरी लिपि का सम्बन्ध है–
   (अ) शारदा लिपि से (ब) खरोष्टी लिपि से
   (स) ब्राह्मी लिपि से (द) सामी लिपि से [ ]

5. संघ की राजभाषा हिन्दी और लिपि देवनागरी होगी का उल्लेख संविधान की धारा में मिलता हैः
   (अ) अनुच्छेद 351 में (ब) अनुच्छेद 347 में
   (स) अनुच्छेद 346 में (द) अनुच्छेद 341 में [ ]

6. हिन्दी साहित्य के प्रथम इतिहासकार थे–
   (अ) शिवसिंह सेंगर (ब) जार्ज ग्रियर्सन

(स) नामादास (द) गार्सांद वासी [ ]

7. समाज और साहित्य की परम्पराओं के मध्य सामंजस्य स्थापित करने वाले इतिहासकार थे–
(अ) रामचन्द्र शुक्ल (ब) राम कुमार वर्मा
(स) सूर्यकान्त शास्त्री (द) हजारी प्रसाद द्विवेदी [ ]

8. हिन्दी साहित्य के इतिहास का सटीक काल विभाजन किया है–
(अ) शार्सा दतासी ने (ब) जार्ज ग्रियर्सन ने
(स) रामचन्द्र शुक्ल ने (द) मिश्र बन्धुओं ने [ ]

9. साहितय के इतिहास दर्शन के प्रथम रचनाकारः
(अ) नलिन विलोचन शर्मा (ब) चन्द्रधर शर्मा गुलेरी
(स) लक्ष्मी सागर वार्ष्णेय (द) विनय मोहन शर्मा [ ]

10. आदिकाल नाम के स्थिरीकरण का श्रेय है–
(अ) रामचन्द्र शुक्ल को (ब) हजारी प्रसाद द्विवेदी को
(स) मिश्र बन्धुओं को (द) अयोध्या सिंह उपाध्याय को [ ]

11. भविस्यत कहा के रचनाकार है –
(अ) जिन विजजय (ब) विनय समुद्र
(स) जिनदत्त सूरि (द) नल्ल सिंह [ ]

12. ''गोरखनाथ और उनका युग'' के लेखक है :–
(अ) डॉ. रघुवंश (ब) विश्वंभरनाथ उपाध्याय
(स) भुवन बल्लभ (द) रांगेय राघव [ ]

13. कयामत खां रासो के रचयिता हैः
(अ) न्यामत खां जान (ब) अलिफ खां
(स) अब्दुल निसार (द) नूर मुहम्मद [ ]

14. निर्गुण भक्त कवियों में कालक्रमानुसार प्रथमोल्लेख होता है–
(अ) नामदेव (ब) ज्ञानदेव
(स) रैदास (द) कबीर [ ]

15. कबीर को उलटबांसी लिखने की प्रेरणा मिली–
(अ) ऋग्वेद से (ब) बौद्धो से
(स) सिद्धों–नाथों से (द) ईशोपनिषद से [ ]

16. पुष्टिमार्गी भक्ति साधक प्रमुख कवि है :
(अ) चैतन्य महाप्रभु (ब) विट्ठल नाथ
(स) सूरनाथ (द) रहीम खानखाना [ ]

17. ''प्रभुजी तुम चंदन हम पानी'' युक्ति के रचयिता हैं :
(अ) लालदास (ब) मीरा
(स) हरिदास (द) रैदास [ ]

18. 'संतन कौं कहाँ सीकरी सौं काम' किसने कहा :

(अ) कुंभनदास (ब) नन्ददास
(स) तुलसीदास (द) अग्रदास [ ]

19. रीतिकाल के प्रवर्त्तक आचार्य है :
(अ) मतिराम (ब) चिन्तामणी
(स) भिखारी दास (द) केशवदास [ ]

20. रामरसिक काव्य–धारा के प्रवर्त्तक हैं :
(अ) नामादास (ब) लालदास
(स) अग्रदास (द) कृष्णदास [ ]

21. 'विरह–वारीश' के रचियता हैं :
(अ) बोधा (ब) आलम
(स) ठाकुर (द) घनानन्द [ ]

22. सरस्वती पत्रिका का प्रभम प्रकाशन स्थल था –
(अ) कोलकाता (ब) वाराणसी
(स) लाहौर (द) इलाहाबाद [ ]

23. उर्दू की हिमायत करने वाले विद्वान थे –
(अ) सर सैयद अहमद खां (ब) अब्दुल कलाम आजाद
(स) इंशा अल्ला खां (द) राही मासूम रजा [ ]

24. आधुनिक हिन्दी गद्य के जनक हैं –
(अ) महावीर प्रसाद द्विवेदी (ब) दयानन्द सरस्वती
(स) भारतेन्दु हरिशचन्द्र (द) लक्ष्मण सिंह सितारे हिन्द [ ]

25. खड़ी बोली के समर्थको को हठी और मुर्ख कहने वाले ब्रजभाषा के कवि थे –
(अ) सत्यनारायण कविरज (ब) गया प्रयाद शुक्ल सनेही
(स) जगन्नाथ दास रत्नाकर (द) बदरी नारायण चौधरी [ ]

26. हिन्दी की ऐतिहासिक उपन्यास परम्परा के प्रवर्त्तक हैं –
(अ) ब्रज नन्दन सहाय (ब) किशोरी लाल गोस्वामी
(स) राहुल सांस्कृत्यायन (द) वृंदावन लाल वर्मा [ ]

27. जैनेन्द्र कुमार का अन्तिम उपन्यास है–
(अ) चित्तकोबरा (ब) मुक्ति बोध
(स) देशार्क (द) अनामस्वामी [ ]

28. 'प्रेम अपवित्र नदी' के उपन्यासकार हैं –
(अ) शिवप्रसाद सिंह (ब) लक्ष्मीनारायण लाल
(स) गिर्राज किशोर (द) उषा प्रियम्वदा [ ]

29. राजस्थानी परिवेश से युक्त हिन्दी उपन्यासों के रचनाकार है –
(अ) यादवेन्द्र शर्मा चन्द्र (ब) राजेन्द्र मोहन भटनागर
(स) घनश्यामदास शलम (द) प्रफुल्ल प्रभाकर [ ]

30. 'मादा कैक्टस' नाटक के लेखक हैं –
(अ) लच्द्रकिरण सौनरक्शा (ब) लक्ष्मीनारायण लाल
(स) लक्ष्मीनारायण मिश्र (द) जगदीशचन्द्र माथुर [ ]

31. साठेतरी कविता में निषेधात्मकता का कारण है –
(अ) राजनीतिक दवाब और मृत्युहीनता (ब) सामाजिक यथार्थ की अतिशयता
(स) सपाटबयानी और बडबोलापन (द) विसंगतियों का विभण [ ]

32. 'इन्सानियत की इबादत' एकांकी के लेखक हैं –
(अ) हमीदुल्ला (ब) मणिमधुकर
(स) भानुभारती (द) विजय कुलश्रेष्ठ [ ]

33. 'चीड़ो पर चांदनी' यामावृत्त के रचनाकार है–
(अ) निर्मल वर्मा (ब) मोहन राकेश
(स) धर्मवीर भारती (द) नरेश मेहता [ ]

34. धर्मवीर भारती का यात्रावृत्त हैं –
(अ) हिमालय की गोद में (ब) ठेले पर हिमालय
(स) आखिरी चट्टान तक (द) बर्फिली घाटियों में [ ]

35. अतीत के चलचित्र की विद्या है –
(अ) रिपोर्ताज (ब) यात्रावृत्त
(स) संस्मरण (द) रेखाचित्र [ ]

36. 'छोटे आदमी की बड़ी कहानी' जीवनी के रचयिता हैं –
(अ) सुशील कुमार सिंह (ब) दयाकृष्ण विजय
(स) श्रीलाल शुक्ल (द) राही मासूय रजा [ ]

37. फूल नही रंग बोलते हैं ..... की विद्या है –
(अ) डायरी (ब) आत्मकथा
(स) रेखाचित्र (द) एकांकी [ ]

38. नयी कहानी आन्दोलन में प्रमुख योगदान किया है–
(अ) मोहन राकेश ने (ब) कमलेश्वर ने
(स) राजेन्द्र यादव ने (द) महीप सिंह ने [ ]

39. 'जैनेन्द्र के विचार' साक्षात्कार के रचनाकार हैं –
(अ) प्रभाकर मान्ववे (ब) रणवीर संग्रा
(स) वीरेन्द्र जैन (द) कमल कुमार [ ]

40. कुगेरनाथ राय के लेखक की मूल विद्या हैं –
(अ) व्यंग्य लेखन (ब) ललित निबंध
(स) गद्य गीत (द) रिपोर्ताज [ ]

41. अमिघा उत्तम काव्य है – किसका कथन है –
(अ) केशवदास (ब) पद्माकर

(स) भिखारीदास (द) मतिराम [ ]

42. 'गुल की बन्नों' के रचनाकार हैं –
(अ) अमरकान्त (ब) कमलेश्वर
(स) धर्मवीर भारती (द) मनोहर श्याम जोशी [ ]

43. 'शब्दार्थो सहितो काव्यं'– किसका कथन हैं –
(अ) राजशेखर (ब) दण्डी
(स) उद्भट (द) भामह [ ]

44. रसनिर्ष्पात्र के सटीक व्याख्याकार हैं–
(अ) शंकुक (ब) अभिनव गुप्त
(स) भट्ट लोलट (द) आनंदवर्धन [ ]

45. संचारी भाव रहते हैं –
(अ) विभव में (ब) स्थायी भाव में
(स) सहृदय में (द) अनुभाव में [ ]

46. मुख्यार्थ का बोध कराती है शब्द शक्ति :
(अ) व्यंजना (ब) अभिधा
(स) रर्मद लक्षण (द) लक्षण लक्षणा [ ]

47. जहां बिना कारण के ही कार्य हो जाए, वहां अलंकार है –
(अ) असंगति (ब) विभावना
(स) निदर्शना (द) अर्थान्तरन्यास [ ]

48. फनसी के विषय में सही कथन नहीं हैं –
(अ) यथार्थ सृष्टि के निषेध हेतु (ब) अतिरंजनापूर्ण उल्लेख के लिए
(स) समान्तर संसार की रचना के लिए (द) सत्य निरूपण के लिए [ ]

49. अभूर्त भावों को मूर्त रूप प्रदान करने के लिए प्रयोग करता है कवि –
(अ) बिम्ब (ब) प्रतीक
(स) मिथक (द) कल्पना [ ]

50. 'दिवसावसान का समय/ मेघमय आसमय से उतर रही है / वह संध्या सुन्दरी परी सी/ धीरे–धीरे में अंललकार है–
(अ) भ्रांतिमान (ब) मानवीकरण
(स) मीलित (द) विभावना [ ]

Rough Sheet